

तले शरते BHARTR. Suppl. 25. PAÑĀT. 128, 20. 186, 8. GĪT. 12, 2. आदर्श°,
 दर्पण° SMṚTI bei ÇĀṆK. zu TAĪTT. UP. 1, 4, 3. ÇĀK. 191 RAGH. 16, 6. BHĀG.
 P. 5, 20, 35. ÇIÇ. 9, 53. कपोल° SĀH. D. 56, 13. इदं रसातलं नाम सप्तमं
 पृथिवीतलम् MBH. 5, 3602. उत्प्लातं निधिषङ्कया भूतलम् BHARTR. 3, 5. भु-
 वस्तलमिव व्योम कुर्वन्व्योमेव भूतलम् RAGH. 4, 29. दिशागजम् — धारयत्
 महीतलम् R. 1, 41, 13. जगमुर्महीतलम् 40, 17. गङ्गामानय — देवलोकान्म-
 हीतलम् 42, 21. प्रविवेश तलं भूमिः 44, 41. R. 1, 17. शोणितं यावतः पाम्-
 न्मङ्गलानि महीतलात् M. 4, 168 (vgl. 11, 207). न प्रभातरलं ज्योतिरुदेति
 वसुधातलात् ÇĀK. 25. भूतले स्थितः N. 2, 27. निषसाद् महीतले 10, 5. R. 1,
 2, 14. VER. 4, 16. 33, 13. नीतिशास्त्रं बालावबोधनार्थं भूतले प्रवृत्तम् PAÑ-
 ĀT. 5, 13. 63, 17. भूतलविध्याता VID. 1. नितितलाप्सराः eine auf Er-
 den wandernde Apsaras KATHĀS. 17, 34. अशोकवनिकाम् — समभूमितला-
 म् R. 5, 20, 10. स्वं जलोघतलं भिन्ना व्युत्थितः (समुद्रः) HARIV. 9639. रसा-
 तलतल R. 1, 44, 42. पाताल° 31, 20. तलवदृश्यते व्योम खद्योतो कृष्यवा-
 डिव । न चैवास्ति तलं व्योमि खद्योते च कृताशनः ॥ MBH. 12, 4148. अ-
 वतीर्य नभस्तलात् N. 2, 29. KATHĀS. 20, 181. BHĀG. P. 2, 1, 27. 6, 9, 15. सं-
 धारक्तले व्योमि HARIV. 4349. अस्वर्तलात् — पतितः MĀRK. P. 20, 48.
 तदेतदाकाशतले भाति चन्द्र इवोदितः (विमानं पुष्पकम्) R. 6, 111, 25. तद्दु-
 र्दिनतलं भिन्ना नारदः प्रत्यदृश्यते HARIV. 9609. Dieses तल, welches häufig
 den Begriff der Fläche auch da hervorhebt, wo er nicht betont zu
 werden braucht, und den man daher in der Paraphrase oder Ueber-
 setzung nicht weiter zu berücksichtigen pflegt, ist das तल स्वरूपे oder
 स्वभावे (die natürliche Form) der Lexicographen. m. n. AK. 3, 4, 26, 204.
 MED. I. 21 (lies: ऽस्त्री). m. H. an. 2, 489. Das m. nicht zu belegen. — 2)
 m. n. in Verbind. mit einem Worte, das Hand oder Fuss bedeutet,
 Handfläche, Fusssohle: पाणितले du. MBH. 13, 5013. पाणितलेन M. 4,
 143. R. 2, 66, 17. BHARTR. 1, 19. ÇĀK. 80. HIT. I, 163. VID. 87. करतलः
 MĀLAV. 39. पाणिभिः — मृदङ्गुलितलैः R. 2, 104, 17. ÇĀK. 29. RAGH. 6, 18.
 पाणिपाद° SUÇR. 1, 23, 11. पादतले du. MBH. 13, 7444. पौदौ ताघ्रायतला-
 ङ्गुली INDR. 5, 12. अङ्गि° BHĀG. P. 8, 20, 23. नो वा पादतले तथा निपतितम्
 AMAR. 62. H. 618. मृडतली (चरपौ) VARĀH. BRH. S. 67, 2, 68, 1. Handfläche,
 die flache Hand auch ohne danebenstehendes कर u. s. w. TRIK. 3, 3, 393.
 H. 396. H. an. MED. SUÇR. 1, 27, 4. 63, 20. 126, 3 (neutr.). 236, 8. तलैर्-
 पि समाकृतैः ARĀ. 3, 40. महानदौ रक्तकृष्टतलनादितेः MBH. 1, 8020. स वि-
 द्युचकुरितं चापं विक्रन्वै तलातलम् 3, 695. पापान्निष्पिषेयं तलासिभिः 2,
 2377. 4, 353. तलाभ्यामथ रामस्तु वक्रो कृत्वा स रानसम् HARIV. 16026. R.
 6, 36, 36. 37. °संपात 70, 44. °घात HARIV. 16027. ततः प्रकसिताः सर्वे ते
 ऽन्योन्यस्य तलान्दुः MBH. 3, 14819. 9, 1860. क्वासं मुमुचुरत्यर्थं तलं द-
 द्वा परस्परम् HARIV. 15741. °शब्द 15742. Fusssohle: अलिङ्गेषु तला-
 न्कृत्वा प्रमुत्ताः R. 5, 13, 47. n. Mitte der Fusssohle, = तलकृद्दय H. 618.
 m. Vorderarm SVĀMIN zu AK. WILS. Spanne (vgl. ताल) COLEBR. zu AK.
 3, 4, 26, 204. — 3) m. n. die unter einem Gegenstande ausgebreitete
 Fläche, — Stelle, = अथम् AK. 3, 4, 26, 204. = अन्ध्र MED. = मूल TRIK. 3,
 3, 393. = आधार H. an. पूर्वाह्नि च पराह्नि च तलं यस्य न मुञ्चति । अत्य-
 क्षीतलच्छाया स च्छायातरुच्यते ॥ Cit. beim Sch. zu ÇĀK. 86. ओक-
 स्तत्राणां तलम् ÇĀNTIC. 2, 19. वटतले व्यवस्थितः PAÑĀT. 9, 23, 14. तरुत-
 लमायाति HIT. 43, 21. 58, 15. KATHĀS. 13, 97. 25, 87. फणी मयूरस्य तले
 निषीदति R. 1, 13, 18. अङ्गुष्ठमूलस्य तले (KULL.: = अघोभागे) ब्राह्मं ती-

र्थं प्रचक्षते M. 2, 59. त्यजतो ऽर्कतलं शशिनः VARĀH. BRH. S. 4, 3. 43 (34),
 28. पस्मिंस्तु च्छर्द्यति (खञ्जनः) तत्र तले ऽस्ति काचम् 44 (43), 12. शाखा-
 तले 53, 55. Im Gegens. zu उपरि oben, nach oben: उपरितलनिपातिते-
 ष्टको ऽयम् (संधिः) MĀRK. 51, 18. — 4) ein Leder, welches der Bogen-
 schütz am linken Arm trägt, um diesen vor der abprallenden Sehne
 zu schützen, f. (nicht zu belegen) AK. 2, 8, 2, 52. n. H. 776. H. an. MED.
 ĀÇV. GṆH. 3, 12. बद्धतलाङ्गुलित्राः MBH. 1, 7075. तलवद्धा (= बद्धतल)
 6, 621. HARIV. 12529. 13246. तलाङ्गुलित्रवान् R. 2, 87, 23. ज्योतलनिर्घोष
 MBH. 1, 5236. 5460. 7, 654. 13, 7471. R. 2, 87, 18. 6, 81, 27. Vgl. तलत्र,
 तलत्राण. — 5) m. neben ताल Beiw. von Çiva MBH. 13, 1243; vgl. अतल.
 — 6) m. n. pr. eines Lehrers gaṇa शौनकादि zu P. 4, 3, 106. — 7) m. =
 ताल Fächerpalme H. 1136. H. an. MED. — 8) m. der Griff eines Schwer-
 tes (vgl. ताल) H. an. MED. — 9) m. das Anschlagen der Saiten (तलीघात,
 pressing the strings of a lute WILS.) mit der linken Hand MED. — 10)
 m. eine best. Hölle ĀRṆIKOP. in Ind. St. 2, 178. ÇIVA-P. bei WOLFH. Myth.
 17. Vgl. तललोक, तलातल u. s. w., ताल. — 11) n. Wald TRIK. 2, 4, 1.
 MED. Vgl. तलक. — 12) n. = तल TRIK. 1, 2, 28. ÇKDB. und WILS. zie-
 hen diesen Artikel zum vorhergehenden und erklären das Wort durch
 Grube, im Index zum TRIK. wird es zum folgenden (= अलवाल) gezo-
 gen. — 13) n. = तलक Sch. zu R. 5, 10, 10. Vgl. तल. — 14) n. die Ver-
 anlassung —, das Motiv einer Handlung (कार्यवीज) MED. — Viell. von
 स्तूर ausbreiten; vgl. तलो Boden in долъ (Буслаева, Опытъ истор.
 гр. русскаго языка, I, S. 132). Vgl. अतल, तल्ला°, नि°, प्र°, मला°,
 रसा°, वि°, सु°.

तलक (von तल) n. Teich HĀR. 42. Sch. zu R. 5, 10, 10. — Vgl. तल.
 तलकोट eine best. Pflanze SUÇR. 2, 501, 4. — Zerlegt sich scheinbar
 in तल + कोट.

तलताल (तल + ताल) m. das Händeklatschen: तलतालांश्च वाद्यन्
 MBH. 3, 12379. तलतालशब्दः — विकर्तनं पून्यतां कुत्रापाम् 4, 1685. — Vgl.
 तालशब्द.

तलत्र (तल + त्र) n. eine Art Handschuh bei den Bogenschützen: त-
 लत्राभिकृतश्चैव ज्योशब्दः MBH. 6, 1673. तलत्रैरङ्गुलित्रैश्च 6, 4825. सतल-
 त्रान् — बाहून् 8, 616. DRAUP. 5, 19. HARIV. 13373. तलत्रवत् adj. damit
 versehen 14465. — Vgl. तल 4.

तलत्राण (तल + त्राण) n. dass.: निबद्धासितलत्राणाः MBH. 3, 1501.
 7, 4714.

तलप्रहार (तल + प्र°) m. ein Schlag mit der Hand (HĀR. 167), mit
 der Tatze: स (रानसः) कपेस्तस्य व्यसर्जयत् । तलप्रहारमथनेः सदृशं भो-
 मनिस्वनम् ॥ R. 6, 76, 37. तलप्रहारं तम् — सुयीविणा समुद्यतम् 39. अथ
 तस्य पलायमानस्य सिंहेन तलप्रहारो दत्तः PAÑĀT. 213, 21.

तलभं n. SIDDH. K. 249, a, 5 v. u.

तलमीनं m. v. l. für नलमीनं COLEBR. und LOIS. zu AK. 1, 2, 2, 18.

तलयुद्ध (तल + युद्ध) n. ein Kampf mit den Handflächen, Prügelet:
 बालानाम् VARĀH. BRH. S. 42 (43), 28.

तललोक (तल + लोक) m. Unterwelt: °पाल BHĀG. P. 2, 6, 42. — Vgl.

तलातल, रसातल, अतल u. s. w.

तलवै n. Musiker (nach MAHĪD.). VS. 30, 20.

तलवकार (त° + कार) m. pl. N. einer Schule des SV. COLEBR. Misc.